अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 के आयोजन पर रिपोर्ट

Report on celebration of International Biodiversity Day -2024

मिशन लाइफ @ अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 समारोह का आयोजन संस्थान में किया। इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने शिमला के तीन विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं को जैव-विविधता सरंक्षण पर जागरूक किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ जोगिंदर सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, डॉ जगदीश सिंह, प्रभाग प्रमुख विस्तार, तीन विद्यालयों से आए अध्यापकों, छात्र एवं छात्राओं का स्वागत किया और बताया कि इस वर्ष अभियान का थीम "योजना का हिस्सा बनें" है। संस्थान ने विभिन्न स्कूलों के छात्र/छात्राओं के लिए निबंध लेखन, नारा लेखन एवं चित्रकला/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। डॉ॰ जगदीश सिंह, प्रभाग प्रमुख विस्तार ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 29 दिसम्बर, 1993 को जैव विविधता के मुद्दों की समझ और जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2000 से 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस घोषित किया गया। उन्होंने मिशन लाइफ की विभिन थीम के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने छात्रों को विशेष रूप से एकल प्रयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं अपने आस पास पेड़ पौधे लगाने की सलाह दी। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ॰ वनीत जिष्टू, ने 'हिमालयन क्षेत्र में जैव विविधता पारिस्थिकी एवं इसके सरंक्षण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, अत्यधिक चरान एवं अनियंत्रित पर्यटन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। जैव विविधता ह्रास से भविष्य में वातावरण पर होने वाले प्रभावों के विषय पर चर्चा की। डॉ॰ जिष्टू, ने अतीत व वर्तमान में उत्तर पश्चिमी हिमालय की जैव विविधता' की तुलना की। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि कई प्रजातियाँ जैसे कि लिलीयम पोलीफायलम (लिल्ली), ओरकिड, इत्यादि शिमला में देवदार के जंगलों में बहुयात में पाई जाती थी, परंतु आज इस क्षेत्र से यह लुप्त है। इसके संरक्षण की नितांत आवश्यकता का महत्व बताया इसके लिये कहा कि लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा की ग्लोबल वार्मिंग के कारण भी जैव विविधता का ह्रास हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कोरल रीफ़ जो जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण अंग हैं की 90% से अधिक प्रजातियाँ मात्र 2C° तापमान बढ़ने पर लुप्त हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि जैव विविधता जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक प्रमुख शक्ति है। डॉ॰ संदीप शर्मा, निदेशक ने बताया कि इंडियन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता का हॉट स्पॉट है, जो 5.3 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है तथा यहाँ 21 तरह के वन पाये जाते हैं । उन्होनें बताया कि हिमालयन क्षेत्र में 18,940 वनस्पति प्रजातियाँ तथा 30,000 से ज्यादा वन्य प्राणी प्रजातियाँ है। वैश्विक तापमान वृद्धि से बहुत सारी प्रजातियाँ विलुप्त हो गयी है जिनकी विज्ञान ने अभी खोज भी नहीं की है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने स्तर पर जैव विविधता सरंक्षण मे योगदान देना चाहिए। उन्होनें बताया कि बच्चों को अपने आसपास की जैव विविधता के बारे में जागरूक होना चाहिए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक ने पुरुस्कार वितरित किए। निबंध लेखन में दिवयांश कश्यप, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला, प्रथम; दीपिका, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, ब्यूलिया, द्वितीय ; प्रिया ठाकुर, राजकीय वरिष्ठ

माध्यमिक पाठशाला, छोटा शिमला, तृतीय; नारा लेखन में गुंजन ठाकुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ब्यूलिया, प्रथम; चाँदनी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, मेहली, द्वितीय ; दिशांत नेगी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, ब्यूलिया, तृतीय; एवं चित्रकला/पोस्टर बनाना प्रतियोगिता में स्नेहा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, मेहली, प्रथम; संध्या, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, मेहली, द्वितीय ; लव चौहान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, छोटा शिमला, तृतीय; स्थानों पर रहे। श्री कुलवंत राय गुलशन, श्री राजेंदर पाल, श्री स्वराज सिंह, श्री करण शर्मा, श्री महेश्वर सिंह एवं विजय कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने मे योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन डॉ॰ जोगिंदर चौहान के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

Competitions organized in different Schools

GSSS Mehli, Shimla

GSSS Chhota Shimla

GSSS Beolia, Shimla

Glimpse of the programme at Institute

में आपका स्वागत है
जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

में आपका स्वागत है
जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

विधता दिवस - 22 मई, 2024

में आपका स्वागत है
जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

में आपका स्वागत है
जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

में आपका स्वागत है
अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

में आपका स्वागत है
जैव विविधता दिवस - 22 मई, 2024

ई, 2024

Media Coverage

धीमान गुप्ता ने कहा कि हमारे डीलर पार्टनर हमारे बिजनैस के अभिन्न अंग हैं।

जनसंख्या वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, अनियंत्रित पर्यटन जैव विविधता पर डाल रहे प्रतिकूल प्रभाव : डा. जिष्टू

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर बच्चों को किया जागरूक

शिमला, 22 मई (भूपिन्द्र): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के वैज्ञानिक डा. वनीत जिष्टू ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, अत्यधिक चरान एवं अनियंत्रित पर्यटन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। कई प्रजातियां जैसे कि लिलीयम पोलीफायलम (लिल्ली), ओरकिड इत्यादि शिमला में देवदार के जंगलों में बहुतायत मात्रा में पाई जाती थी, परंतु आज इस क्षेत्र से यह लुप्त हो गई है।

इसके संरक्षण के लिए लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह बात उन्होंने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 समारोह के अवसर पर संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए निबंध लेखन, नारा लेखन एवं चित्रकला व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। डा. जिष्टू ने हिमालयन क्षेत्र में जैव विविधता पारिस्थितकीय एवं इसके संरक्षण पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण भी जैव विविधता का ह्रास हो रहा है। कोरल रीफ जो जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण अंग है, की 90 फीसदी से अधिक प्रजातियां मात्र 2 डिग्री तापमान बढ़ने पर लुप्त हो जाएंगी। संस्थान के निदेशक डा. संदीप शर्मा ने बताया कि इंडियन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता का हॉट स्पॉट है, जो 5.3 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है। हिमालयन क्षेत्र में 18,940 वनस्पति प्रजातियां तथा 30,000 से ज्यादा वन्य प्राणी प्रजातियां हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि से बहुत सारी प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं जिनकी विज्ञान ने अभी खोज भी नहीं की है। कार्यक्रम समन्वयक डा. जोगिंद्र सिंह चौहान व प्रभाग प्रमुख विस्तार डा. जगदीश सिंह ने जैव विविधता के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी बच्चे मुख्यातिथि व अधिकारियों के साथ संयुक्त चित्र में। (नरेश)

ये रहे विजेता : प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक ने पुरस्कृत किया। निबंध लेखन में दिव्यांश कश्यप राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला प्रथम, दीपिका राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ब्यूलिया द्वितीय तथा प्रिया ठाकुर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला तृतीय रहीं। इसी तरह नारा लेखन में गुंजन ठाकुर प्रथम, चांदनी द्वितीय व दिशांत नेगी तृतीय एवं चित्रकला व पोस्टर बनाना प्रतियोगिता में स्नेहा प्रथम, संध्या द्वितीय व यलव चौहान तृतीय स्थान पर रही।

जैव विविधता बोर्ड ने आयोजित किया कार्यक्रम : हिमाचल प्रदेश जैव विविधता बोर्ड ने भी विज्ञान, शिक्षा और रचनात्मकता केंद्र शोघी शिमला में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव सुबोध सक्सैना ने की।

इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, तकनीकी सहायता समूहों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर जैव विविधता बोर्ड ने पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर को तैयार करने को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

निबंध में दिव्यांश, नारा लेखन में गुंजन रहे प्रथम

वन अनुसंधान पंथाघाटी में कार्यक्रम का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी में शहर के तीन स्कूलों के छात्र-छात्राओं को जैव-विविधता सरंक्षण की जानकारी दी गई।

इस मौके पर निबंध लेखन में छोटा शिमला स्कूल के दिव्यांश कश्यप प्रथम रहे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल ब्यूलिया की दीपिका दूसरे और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल छोटा शिमला की प्रिया ठाकुर तीसरे स्थान पर रही।

नारा लेखन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल ब्यूलिया की गुंजन ठाकुर पहले, मैहली स्कूल की चांदनी दूसरे और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल ब्यूलिया की दिशांत नेगी तीसरे स्थान पर रहीं। चित्रकला प्रतियोगिता में मैहली की स्नेहा पहले, संध्या दूसरे और छोटा शिमला के लव चौहान तीसरे स्थान पर रहे। समारोह में छात्रों को विशेष रूप से एकल प्रयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने और अपने घर के आसपास पेड़ पौधे लगाने की सलाह दी।

चित्रकला प्रतियोगिता में मैहली की स्नेहा अव्वल

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. वनीत जिष्टू ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, अत्यधिक चरान तथा अनियंत्रित पर्यटन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि इंडियन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता का हॉट स्पॉट है जो 5.3 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है तथा यहां 21 तरह के वन पाए जाते हैं।

शिमला में देवदार के जंगलों से लिलियम पॉलीफाइलम गायब

विशेष संवाददाता-शिमला

अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता कार्यक्रम समन्वयक डा. जोगिंद्र सिंह चौहान ने कहा कि लिलीयम पोलीफायलम (लिल्ली) ओरकिड शिमला में देवदार के जंगलों में बहुयात में पाई जाती थी। अब इस क्षेत्र से यह लुप्त हो गई है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण भी जैव विविधता का ह्रास हो रहा है। कोरल रीफ जो जैव विविधता का एक महत्त्वपूर्ण अंग है कि 90 फीसदी से अधिक प्रजातियां मात्र दो डिग्री तापमान बढ़ने पर लुप्त हो जाएंगी। जैव विविधता जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक प्रमुख शक्ति है। डा. जोगिंद्र सिंह चौहान अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर विद्यार्थियों को जागरूक कर रहे थे। इस मौके पर निदेशक डा. संदीप शर्मा ने बताया कि इंडियन हिमालयन क्षेत्र की जैव विविधता का हाट स्पाट है, जो 5.3 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हैतथा यहां 21 तरह के वन पाए जाते हैं। हिमालयन क्षेत्र में 18940 वनस्पति प्रजातियां 30 हजार से ज्यादा वन्य प्राणी प्रजातियां हैं। डा. जिष्टू ने अतीत व वर्तमान में उत्तर पश्चिमी हिमालय की जैव विविधता की तुलना की। उन्होंने छात्रों को विशेष रूप से एकल प्रयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने और अपने आसपास पेड़ पौधे लगाने की सलाह दी।

****